संचार मंत्रालय
MINISTRY OF
COMMUNICATIONS

सत्यमेव जयते

माननीय संचार मंत्री जी का संदेश

नमस्कार!

गत वर्ष भारतीय डाक की यात्रा बहुत शानदार रही। यह यात्रा भारत के हर कोने को विश्वास, नवोन्मेष और गौरव से भरने के हमारे दृढ़ संकल्प का प्रदीप्त प्रमाण है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में डाक विभाग अपनी सेवाओं को जन-जन के लिए सुलभ बनाने, अपनी प्रणालियों को आधुनिक बनाने तथा भारत के प्रत्येक नागरिक को विश्वसनीय सेवाएं और अवसर प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।

डाकघर अधिनियम, 2023 जिसे 18 जून 2024 को लागू किया गया और नियमों और विनियमों की घोषणा 16 दिसंबर 2024 को की गई। यह हमारी अनमोल डाक-विरासत में नई ऊर्जा का संचार करने वाली महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस परिवर्तनकारी सुधार ने 'उन्नत डाक प्रौद्योगिकी' (एपीटी) प्लेटफ़ॉर्म के 4 अगस्त 2025 को राष्ट्रव्यापी शुभारंभ की नींव रखी। सीईपीटी द्वारा देश में तैयार और मेघराज 2.0 क्लाउड पर आधारित इस प्रौद्योगिकी द्वारा क्यूआर-कोड भुगतान, ओटीपी-समर्थित डिलीवरी और हर स्तर पर डिजिपिन एकीकरण की सुविधा प्रदान की गई। चार लाख से अधिक समर्पित और सुप्रशिक्षित कर्मचारियों के साथ हम ऐसे भविष्य के निर्माण की ओर अग्रसर हैं जहां प्रौद्योगिकी प्रगति के उज्ज्वल सेतु के रूप में खड़ी है।

वित्तीय समावेशन हमारे मिशन का केंद्र बिंदु है। 31 अगस्त 2025 की स्थिति के अनुसार, डाक विभाग में अब तक कुल 36.56 करोड़ डाकघर बचत बैंक (पीओएसबी) खाते खोले गए हैं, जिनमें ₹21.29 लाख करोड़ की धनराशि जमा है। इसमें दर्ज की गई 14 प्रतिशत की वृद्धि डाक विभाग में लोगों के गहरे विश्वास को दर्शाता है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) अपने 1.65 लाख एक्सेस पॉइंट्स के माध्यम से शानदार प्रगति कर रहा है। वर्तमान में, 12.43 करोड़ ग्राहकों के साथ आईपीपीबी ने 41 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। जहां तक जमा राशि का प्रश्न है, यह 85 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ ₹21,307 करोड़ हो गई है। इसके अलावा, 11.67 करोड़ एईपीएस ट्रांज़ैक्शनों के माध्यम से ₹34,878 करोड़ संवितरित किए गए हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र में 108 नए एक्सेस पॉइंट्स शुरू करने की पहल को 'डिजिटल भुगतान पुरस्कार 2024-25' से सम्मानित किया गया है; यह डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में हमारी नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित करता है। सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खोले गए कुल 3.64 करोड़ खातों में से 84 प्रतिशत खाते डाकघरों के माध्यम से खोले गए हैं, वहीं मार्च 2024 और अगस्त 2025 के बीच इनमें 41 लाख नए खाताधारक जोड़े गए हैं। डाक जीवन बीमा (पीएलआई) और ग्रामीण डाक जीवन बीमा (आरपीएलआई) के अंतर्गत ₹1.85 लाख करोड़ राशि की कुल 1.19 करोड़ पॉलिसियां जारी की गई हैं; और इन पॉलिसियों से प्राप्त होने वाली प्रीमियम आय वित्त वर्ष 2024-25 में 15.6 प्रतिशत बढ़कर ₹18,782 करोड़ हो गई है।

डाक विभाग (डीओपी) ने अपनी स्पीड पोस्ट सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण पहलें आरंभ की हैं। इसके अंतर्गत, 1 अक्तूबर, 2025 से संशोधित टैरिफ लागू किए जा रहे हैं और भारत की सबसे तेज़ डिलीवरी सेवा के रूप में अपनी पहचान मजबूत करने हेतु डिज़ाइन की गई तमाम नवोन्मेषी सुविधाएं भी शुरू की जा रही हैं। इन सुविधाओं में, बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ओटीपी-आधारित डिलीवरी, डाक वस्तुओं की रीयल-टाइम ट्रैकिंग और उनकी ऑनलाइन बुकिंग शामिल हैं। विश्वसनीयता बढ़ाने, ग्राहकों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उनके अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई ये प्रगतिशील पहलें, देशभर में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के प्रति डाक विभाग की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

188 पार्सल हबों, 234 नोडल डिलीवरी केंद्रों और 1,860 पैकेजिंग इकाइयों के मजबूत ढांचे से युक्त हमारा लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, एक जीवंत तंत्र के रूप में विकसित हो रहा है। 60,000 किलोमीटर तक फैले हुए 86 राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से हम प्रतिदिन 400 से अधिक शहरों तक अपनी सेवाएं पहुंचाते हैं; जबकि पूर्वोत्तर में हमने अमेज़न के साथ साझेदारी के जरिए 1.07 लाख पार्सल डिलीवर किए हैं। जिससे 90.88 लाख की आय प्राप्त हुई है। इसके अलावा, डाक विभाग ने नागरिक केंद्रित सेवाओं के क्षेत्र में भी स्वर्णिम योगदान दिया है। विभाग ने 450 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों के माध्यम से 1.85 करोड़ आवेदनों का निस्तारण करते हुए कुल ₹667 करोड़ अर्जित किए हैं; साथ ही, 13,352 आधार केंद्रों पर कुल 13.23 करोड़ ट्रांज़ैक्शंस संचालित करते हुए, 37.95 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ कुल ₹608.08 करोड़ की आय प्राप्त की है। छत्तीसगढ़ के सुदूर क्षेत्रों में 236 नए शाखा डाकघरों ने आशा की किरण जगाई है; जबकि डाक चौपालों की संख्या 420.65 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब 67,888 हो गई है। इन चौपालों से कुल 43.19 लाख लोग लाभान्वित हुए हैं, जिनमें से 45 प्रतिशत महिलाएं हैं।

डाक विभाग के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभांतरण ने एक जीवन रेखा की तरह काम किया है। इसके अंतर्गत 10.5 करोड़ लाभार्थियों को 90,941.13 करोड़ रुपए की धनराशि संवितरित की गई है। 1 मई 2025 को शुरू किए गए ज्ञान पोस्ट और डाक घर निर्यात केंद्रों की 1,013 यूनिटों के जरिए कुल 262.98 करोड़ रुपए मूल्य के 11.27 लाख शिपमेंट्स हैंडल किए गए है। इसमें दर्ज की गई 192.20 प्रतिशत की यह वृद्धि ज्ञान और व्यापार के क्षेत्र में सुनहरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। इसके अलावा, रोज़गार मेला के अंतर्गत 17 सितंबर 2025 तक 1,80,985 नियुक्ति प्रस्तावों में से 1,47,569 नए सहकर्मियों (1,30,486 जीडीएस, 17,083 डीआर) को नियुक्ति पत्र सौंपे जा चुके हैं। डाक कर्मयोगी ई-लर्निंग के तहत कुल 5.02 लाख कर्मचारियों ने 1.02 करोड़ पाठ्यक्रमों में भाग लिया है जो 328.75 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। डाक विभाग ने राष्ट्रीय गौरव के साझा ताने-बाने का हिस्सा बनते हुए जनभागीदारी कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया है। हमारे 13,934 डाकघरों ने 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम में भाग लिया और 6.95 करोड़ मतदाताओं को राष्ट्रीय भावना का संदेश पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

हर गांव तक पहुंचने तथा हर दिल को छूने वाली डाक विभाग की प्रत्येक विजयगाथा, 'डाक सेवा - जन सेवा' के हमारे ध्येय वाक्य की आत्मा की प्रतिध्वनि है। आइए! हम विकसित भारत @2047 की ओर इस गौरव और अटूट विश्वास के साथ कदम बढ़ाएं कि भारतीय डाक द्वारा डिलीवर किए जाने वाला प्रत्येक पत्र तथा नागरिक उत्थान के लिए विभाग द्वारा किए जाने वाला प्रत्येक कार्य हमें सशक्त भारत की ओर अग्रसर करेगा।

जय हिंद!

शुभकामनाओं सहित।

ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया
संचार मंत्री, भारत सरकार